

185-16

पत्रावली काठ राजस्व कोर इरालत न्याय  
आपके हार कल्ल लेवा रज बनेले पर  
पेश हुयी इमान पर हुयी) एज वाड

सौम्यता से इल आपन के चलने  
का कोई प्रेरित नही है इल प्रगत  
स्वार्थता किता जाता है पत्रावली केवल प्रगत  
होना नही है इल है वरिष्ठ इल  
वाड है